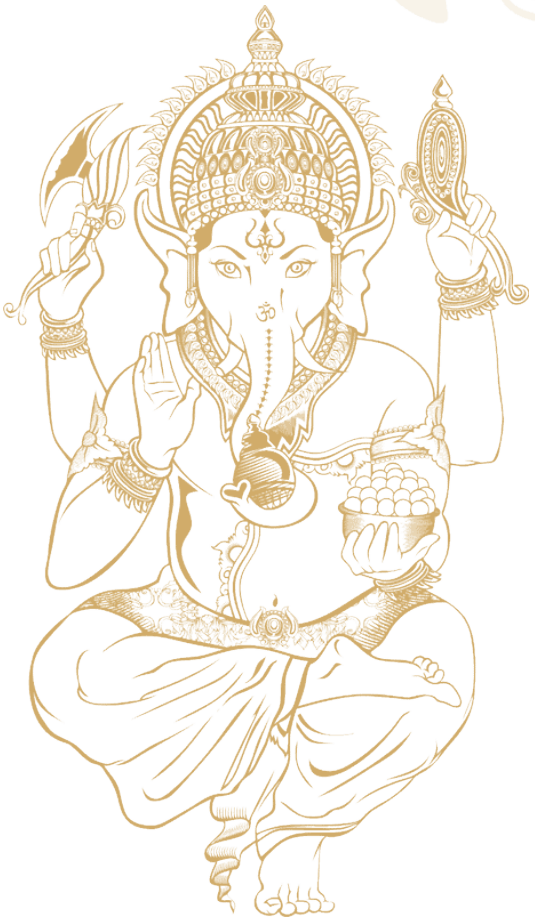

Mr.

30 Mar 2026

03:00 PM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121707207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:00:00 घंटे**
इष्ट	21:57:12 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:39:44 घंटे
वेलान्तर	-00:04:30 घंटे
साम्पातिक काल	03:10:53 घंटे
सूर्योदय	06:13:07 घंटे
सूर्यास्त	18:36:55 घंटे
दिनमान	12:23:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:28:01 मीन
लग्न के अंश	28:53:06 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शूल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:53:06	310:00:09	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मीन	15:28:01	00:59:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	13:26:40	13:08:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	27:38:14	00:46:58	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	18:11:18	00:45:15	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	21:27:17	00:03:38	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	05:26:25	01:13:56	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:07:21	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:34:12	00:00:07	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:34:12	00:00:07	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:27:59	00:02:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:55:06	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:57:51	00:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	25:56:26	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

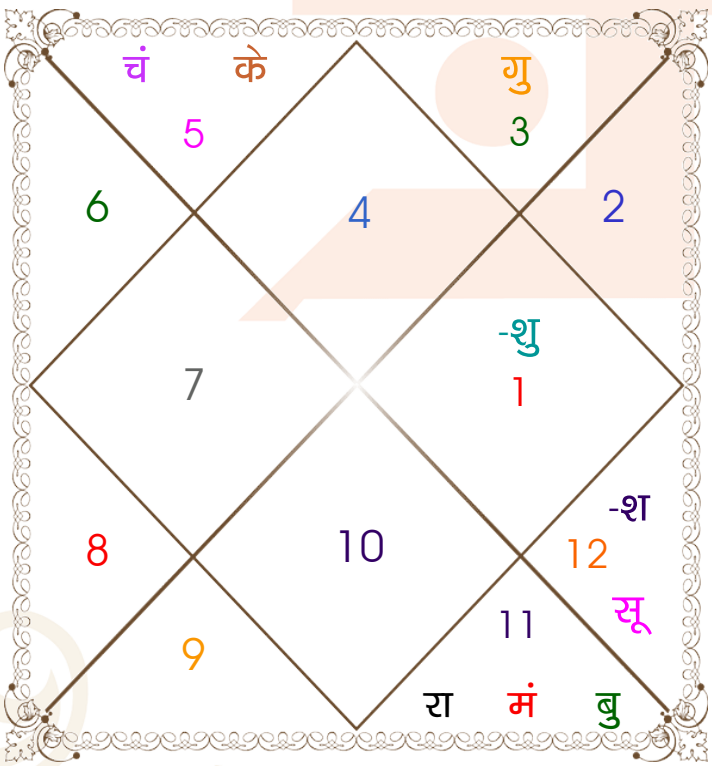

चन्द्र कुंडली

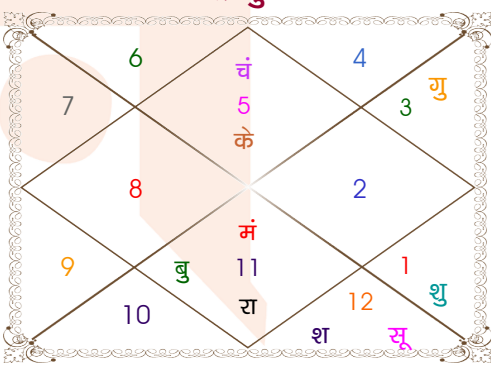

नवमांश कुंडली

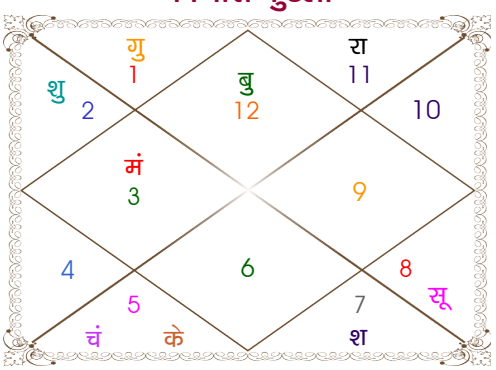

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 19 वर्ष 9 मास 30 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/03/2026		28/01/2046		29/01/2052		28/01/2062		28/01/2069	
28/01/2046		29/01/2052		28/01/2062		28/01/2069		28/01/2087	
शुक्र	30/05/2029	सूर्य	18/05/2046	चंद्र	28/11/2052	मंगल	26/06/2062	राहु	11/10/2071
सूर्य	30/05/2030	चंद्र	16/11/2046	मंगल	29/06/2053	राहु	15/07/2063	गुरु	06/03/2074
चंद्र	29/01/2032	मंगल	24/03/2047	राहु	29/12/2054	गुरु	20/06/2064	शनि	10/01/2077
मंगल	30/03/2033	राहु	16/02/2048	गुरु	29/04/2056	शनि	30/07/2065	बुध	30/07/2079
राहु	30/03/2036	गुरु	04/12/2048	शनि	28/11/2057	बुध	27/07/2066	केतु	17/08/2080
गुरु	29/11/2038	शनि	16/11/2049	बुध	30/04/2059	केतु	23/12/2066	शुक्र	17/08/2083
शनि	28/01/2042	बुध	23/09/2050	केतु	29/11/2059	शुक्र	22/02/2068	सूर्य	11/07/2084
बुध	28/11/2044	केतु	28/01/2051	शुक्र	30/07/2061	सूर्य	29/06/2068	चंद्र	10/01/2086
केतु	28/01/2046	शुक्र	29/01/2052	सूर्य	28/01/2062	चंद्र	28/01/2069	मंगल	28/01/2087

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
28/01/2087		29/01/2103		29/01/2122		29/01/2139		29/01/2146	
29/01/2103		29/01/2122		29/01/2139		29/01/2146		00/00/0000	
गुरु	18/03/2089	शनि	01/02/2106	बुध	27/06/2124	केतु	28/06/2139	शुक्र	31/03/2146
शनि	29/09/2091	बुध	11/10/2108	केतु	24/06/2125	शुक्र	27/08/2140		00/00/0000
बुध	04/01/2094	केतु	20/11/2109	शुक्र	24/04/2128	सूर्य	02/01/2141		00/00/0000
केतु	11/12/2094	शुक्र	20/01/2113	सूर्य	28/02/2129	चंद्र	03/08/2141		00/00/0000
शुक्र	11/08/2097	सूर्य	02/01/2114	चंद्र	31/07/2130	मंगल	30/12/2141		00/00/0000
सूर्य	30/05/2098	चंद्र	03/08/2115	मंगल	28/07/2131	राहु	17/01/2143		00/00/0000
चंद्र	29/09/2099	मंगल	11/09/2116	राहु	13/02/2134	गुरु	24/12/2143		00/00/0000
मंगल	05/09/2100	राहु	19/07/2119	गुरु	21/05/2136	शनि	01/02/2145		00/00/0000
राहु	29/01/2103	गुरु	29/01/2122	शनि	29/01/2139	बुध	29/01/2146		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 19 वर्ष 10 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।